National Conference on Innovations in Science, Engineering, Technology and Humanities
(NCISETH – 2023)
30th July, 2023, Karol Bagh, New Delhi, India

CERTIFICATE NO : NCISETH /2023/ C0723550

राजस्थान क्षेत्र की मौजूदा सिंचाई प्रणाली का अध्ययन

Dhanna Ram

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

राजस्थान एक शुष्क और अर्धशुष्क जलवायु वाला राज्य है-, जहाँ सिंचाई प्रणाली का विकास कृषि उत्पादन और जल प्रबंधन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में मौजूदा सिंचाई प्रणाली मुख्यतः नहरों, कुओं, ट्यूबवेल, बावड़ियों और जल संरक्षण संरचनाओं पर आधारित है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना, राजस्थान फीडर, और चंबल परियोजना जैसी बड़ी नहरें प्रमुख जल स्रोतों में शामिल हैं, जो राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी भागों में सिंचाई की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। इसके अलावा, भूजल पर भी व्यापक रूप से निर्भरता देखी जाती है, लेकिन अत्यधिक दोहन के कारण जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। सरकार विभिन्न जल प्रबंधन योजनाओं, जल संचयन तकनीकों और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देकर जल संकट को कम करने के प्रयास कर रही है। जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग की आवश्यकता को देखते हुए, राजस्थान में सतत और प्रभावी सिंचाई व्यवस्था विकसित करने के लिए विभिन्न नवाचारों और सरकारी योजनाओं की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है।